हल अभ्यास प्रश्न पत्र-5
कक्षा 12
राजनीति विज्ञान

1. गलत
2. SEATO - दक्षिण पूर्व एशियाई संधि संगठन

   (South East Asian Treaty Organisation)

3. (ख) बर्लिन की दीवार
4. मिखाइल गोर्बाचेव
5. गलत
6. ख) 1991
7. विजया लक्ष्मी पंडित जी
8. मणिपुर
9. ख) 1953
10. डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी
11. घ) बहुजन समाज पार्टी
12. जय प्रकाश नारायण
13. पंडित दीन दयाल उपाध्याय
14. ग) 1967
15. ग) 303
16. N.D.A - राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन

17.1 d)अमेरिका और यूएसएसआर रक्तरंजित युद्ध में लगे हुए थे

17.2 c) उदार लोकतंत्र और पूंजीवाद की विचारधारा

evidyarthi

17.3 b) निकिता ख्रुश्चेव

17.4 a) वारसा संधि

18.1 c) राष्ट्रीय सुरक्षा तथा कानून और व्यवस्था को बनाए रखना

18.2 b) 1991

18.3 a)नई प्रौद्योगिकी के परिणामस्वरूप राज्य अब पहले पहले से ज्यादा कमजोर है

18.4 d)वित्तीय संकट से उबरने और आर्थिक वृद्धि की ऊंची दर प्राप्त करने के लिए

19. (1)सोवियत संघ की राजनीतिक, आर्थिक संस्थाएं अंदरूनी कमजोरी के कारण लोगों की आकांक्षाओं को पूरा नहीं कर सकी।

(2) कई सालों तक अर्थव्यवस्था गतिरोध रही जिसके कारण उपभोक्ता वस्तुओं में भारी कमी आ गई।

20. (1)आर्थिक सहयोग

(2)आर्थिक विकास को तेज करना

(3) सामाजिक सांस्कृतिक सहयोग

(4) क्षेत्रीय शांति और स्थायित्व को बढ़ाना।

21. (1) विश्व पर पाश्चात्य संस्कृति का प्रभाव।

(2) सांस्कृतिक एकरूपता का उद्भव ।

(3) सांस्कृतिक विविधता को बढ़ावा मिलता है ।

(संबंधित अन्य प्रभाव भी हो सकता है)

https://www.evidyarthi.in

22. जूनागढ़ , हैदराबाद , कश्मीर और मणिपुर

अथवा

22. आजादी के बाद 565 रजवाड़ों को भारत में शामिल करने के लिए इंस्ट्रूमेंट ऑफ एक्सेशन को लाया गया तथा इसके माध्यम से 561 रियासतों को भारत में शामिल किया गया।

23. इज़राइल राजनैतिक व आर्थिक शक्ति के एक वैकल्पिक केंद्र के रूप में-

1. संयुक्त राष्ट्र संघ का सदस्य-
2. अनेक देशों के साथ राजनयिक संबंध-
3. उच्च प्रति व्यक्ति आय-
4. उन्नत प्रौद्योगिकी निर्माण उद्योग-
5. हीरा उद्योग- कटिंग और पॉलिशिंग

24. हैदराबाद क्षेत्र भारतीय संघ में शामिल-

1. भौगोलिक स्थिति- हैदराबाद रियासत प्रायद्वीपीय भारत के मध्य में स्थित है तथा चारों ओर से भारतीय भूभाग से घिरा हुआ था।
2. निज़ाम की इच्छा- हैदराबाद का शासक, निज़ाम स्वतंत्र रियासत का दर्जा चाहता था।
3. जनता की इच्छा को दबाने का प्रयास- जनता ने निज़ाम के निर्णय का विरोध किया। इसे दबाने के लिए अर्द्ध सैनिक बलों, रज़ाकारों का प्रयोग किया गया।
4. भारतीय सेना का हस्तक्षेप- लूटपाट, हत्याएं और बलात्कार जैसी घटनाओं को देखते हुए भारत द्वारा सैन्य हस्तक्षेप किया गया और भारतीय सेनाओं की जीत के साथ ही हैदराबाद, भारतीय संघ में शामिल हो गया।

25. भारत की परमाणु नीति-

1. नि:शस्त्रीकरण को बल- शीतयुद्ध काल में दोनों महाशक्तियां अपनी आणविक शक्ति को बढ़ाने में लगी थी। तनाव व तृतीय विश्व युद्ध से बचने के लिए आवश्यक था कि इन हथियारों में कमी की जाए।

https://www.evidyarthi.in

2. सुरक्षा के मद्देनजर- जब 1964 में चीन ने परमाणु परीक्षण किया तो देश की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए भारत के लिए भी यह अनिवार्य हो गया।
3. एन. पी. टी.(NPT) का विरोध- भारत ने निशस्त्रीकरण के लिए परमाणु अप्रसार संधि- NPT पर यह कहते हुए हस्ताक्षर करने से मना कर दिया कि यह संधि भेदभावपूर्ण है।
4. आणविक ऊर्जा का प्रयोग शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए- भारत का कहना था कि वह अणुशक्ति को सिर्फ शांतिपूर्ण उद्देश्यों में इस्तेमाल के प्रति दृढ़ संकल्प है।

OR

विदेश नीति का संचालन, स्वतंत्रता का एक अनिवार्य संकेतक-

जवाहरलाल नेहरू का विचार

गुटनिरपेक्षता की नींव रखने वालों में अग्रणी

1. गुटों में शामिल देश, अपनी पहचान खो देता है
2. गुट के सदस्य देशों के लिए गुट के संबंधों को अपनाना मजबूरी
3. गुट के सदस्य देशों के लिए गुट का किसी विषय पर विरोध करना कठिन
4. एक गुट के सदस्य के लिए अन्य गुट से सहायता असम्भव
5. अंतर्राष्ट्रीय मंच पर स्वतंत्र विचार रखने के लिए गुटों से स्वतंत्रता आवश्यक
6. गुटों से स्वतंत्र देश ही अपने लिए मित्र/ शत्रु स्वयं चुनने की स्वतंत्रता रखता है

(कोई चार तथ्य)

26. शॉक थेरपी, साम्यवाद से पूंजीवाद की ओर संक्रमण का सबसे बेहतर तरीका-

नहीं, शॉक थेरपी, साम्यवाद से पूंजीवाद की ओर संक्रमण का बेहतर तरीका नहीं था। इसके निम्न कारण थे:-

आर्थिक प्रभाव:-

1. सार्वजनिक उद्योगों का पतन-
2. सकल घरेलू उत्पाद में कमी-
3. गैराज सेल-
4. रूसी मुद्रा में गिरावट-
5. माफिया वर्ग का उदय-
6. आर्थिक असमानता में वृद्धि-

evidyarthi

राजनीतिक प्रभाव:-

1. **संविधान निर्माण में कमियां-**
2. **कमज़ोर संसद के साथ शक्तिशाली राष्ट्रपति-**
3. **राजनीतिक अस्थिरता-**
4. **संसाधनों के लिए टकराव**

(कोई छह तथ्य)

अथवा

- **भारत के परंपरागत मित्र का अवसान**
- **भारत के अमेरिका के साथ संबंधों की पुनर्स्थापना**
- **भारत और रूस संबंधों का सशक्त होना**
- **भारत का सीआईएस के देशों के साथ संबंधों को बनाना**
- **गुटनिरपेक्षता की नीति का पुनःनिर्धारणल**

27.

- **योजनाओं के कार्यान्वयन में राज्यों का सहयोग सुनिश्चित करना।**
- **राष्ट्र के स्रोतों और प्रयासों को योजनाओं को प्राप्त कराने के लिए सुदृढ़ करना और गतिशील करना।**
- **नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार करना।**
- **प्रति व्यक्ति आय को बढ़ाना।**

28.

प्रयोग की गई जानकारी की क्रम संख्या	**संबंधित अक्षर**	**देश का नाम**
1)	C	अमेरिका

https://www.evidyarthi.in

2)	E	स्विट्जरलैंड
3)	D	फ्रांस
4)	A	USSR
5)	B	पुर्तगाल

दृष्टिबाधित छात्रों के लिए

1. 24 अक्टूबर 1945
2. वैश्विक वित्तीय व्यवस्था की देखरेख करना
3. 1945
4. एमनेस्टी इंटरनेशनल या ह्यूमन राइट्स वॉच
5. 30 अक्टूबर 1945

29.

29(i) जयप्रकाश नारायण । 1

evidyarthi

29(ii) इस समूह की राय में, धरने पर बैठा व्यक्ति देश में अराजकता फैलाना चाहता है तथा उसका उद्देश्य इंदिरा सरकार को सत्ता से हटाकर सत्ता परिवर्तन करना चाहता है। 2

29(iii) भ्रष्टाचार, हिंसा और जंगलराज जैसे मुद्दे लोकतंत्र के पतन के लिए उत्तरदाई है। 2

<u>केवल दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए</u>

29.1 जयप्रकाश नारायण, " लोक नायक" के नाम से प्रसिद्ध थे। 1

29.2 संपूर्ण क्रांति में कुल 7 क्रांतियां शामिल थी :- राजनीतिक क्रांति, आर्थिक क्रांति, सामाजिक क्रांति, सांस्कृतिक क्रांति, बौद्धिक क्रांति, शैक्षिक क्रांति तथा आध्यात्मिक क्रांति । 2

29.3 मानववाद ऐसी विचारधारा है जो मानवीय मूल्यों तथा उनसे संबंधित विषयों पर ध्यान देती है। एकात्मक मानववाद का विचार पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने दिया था। 2

30.रूस भारत का एक सहयोगी एवं मित्र देश रहा है। भारत और रूस के आपसी संबंध महत्वपूर्ण एवं सहयोगात्मक रहे हैं।

जहां एक और दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंध दिखाई देते हैं वही बनते एवं संवरते समीकरण नए संबंधों को गति प्रदान करते हैं।

1)भारत एवं रूस के रणनीतिक संबंधों ने दोनों देशों के आपसी रिश्तो को एक नई पहचान भी प्रदान की है। (कोई एक उदाहरण दे)

2) भारत एवं रूस के बीच प्रौद्योगिकी एवं संचार के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय संबंधों की पुष्टि की जा सकती है ल(कोई एक उदाहरण दे)

3)दोनों देश विश्व को बहुध्रुवया विश्व बनाने की ओर अग्रसर है। (ब्रिक्स का उदाहरण दें)

https://www.evidyarthi.in

4)भारत ने शोध तथा शिक्षा सुविधाओं को विकसित बनाने में भी रूस से सहयोग प्राप्त किया है

5)रक्षा साझेदारी में भारत को परमाणु पनडुब्बियों मिसाइल तथा रक्षा विमान उपलब्ध कराने में रूस सदा ही अग्रसर रहा है। 6)सांस्कृतिक तौर पर भी दोनों देशों ने अपनी निकटता को बढ़ाया है। 6

Or

सार्क की स्थापना वर्ष 1985 में दक्षिण एशियाई देशों के सामाजिक आर्थिक एवं सांस्कृतिक विकास के उद्देश्य से हुई थी

दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन की उपलब्धियों को आंका जाए तो बेहद प्रशंसनीय नहीं रही लेकिन यह संगठन समकालीन चुनौतियों का सामना करने में सक्षम हो सकता है आवश्यकता है दृढ़ राजनीतिक इच्छा एवं सभी क्षेत्रीय सदस्यों को एक साथ मिलकर चलने की यह संगठन निम्न प्रकार से क्षेत्र के लिए प्रभावी भूमिका निभा सकता है

1)वैश्विक महामारी के नियंत्रण में आपकी सहभागिता

2)पर्यावरण समस्याओं का समाधान

3) क्षेत्रीय विकास में योगदान

4) सामाजिक समस्याओं में सामाजिक समस्याओं का निराकरण करने में सक्षम

5)आतंकवाद पर्यावरण संकट जैसी समस्याओं से निपटने में सक्षम

6)वैश्विक मंच पर एक जुट होना

या अन्य कोई बिंदु

31.राजनीतिक दल नागरिकों का ऐसा नैतिक संगठन होता है जिसमें वैचारिक एकता पाई जाती है।

इसका उद्देश्य सत्ता पर अधिकार प्राप्त करके अपनी विचारधारा के अनुसार शासन कार्य करना माना जाता है

evidyarthi

राजनीतिक दलों के कुछ कार्य है:

- राजनीतिक दल दल चुनाव लड़ते हैं
- राजनीतिक दल अलग-अलग नीतियों और कार्यक्रमों को मतदाताओं के सामने रखते हैं
- राजनीतिक दल देश की कानून निर्माण में निर्णायक भूमिका निभाते हैं
- राजनीतिक दल ही सरकार बनाते हैं और चलाते हैं
- चुनाव हारने वाले राजनीतिक दल विपक्ष की भूमिका निभाते हैं
- और जनमत निर्माण में राजनीतिक दल महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- सरकार द्वारा चलाए जाने वाले कल्याणकारी कार्यक्रमों तक लोगों को पहुंचाते हैं।6

Or

बहुदलीय प्रणाली एक प्रणाली होती है जिसमें कई राजनीतिक दलों को अलग-अलग या गठबंधन में सरकारी कार्यालयों का नियंत्रण हासिल करने की क्षमता होती है, उदाहरण भारत।

बहुदलीय प्रणाली के लाभ हैं:

1)मतदाताओं को व्यापक पसंद

2)यह चुनावी पारदर्शिता को बढ़ाता है क्योंकि बहुदलीय पार्टी सिस्टम में आगे की सरकारी लोगों की जरूरत के लिए उत्तरदाई और जवाब दें होती है

3)एक विशाल और सामाजिक विविध देश के लिए बहुपक्षीय प्रणाली सबसे अच्छी है क्योंकि यह समाज के प्रत्येक वर्ग की आवासों और विचारों का प्रतिनिधित्व करती है।

4)यह प्रणाली विभिन्न पक्षों के बीच में एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करती है
5)किसी एक पार्टी की तानाशाही को रोकती है 6)राष्ट्र के विकास की संभावनाएं बढ़ जाती हैं।6

https://www.evidyarthi.in

32.भारतीय जनता पार्टी व अन्य पार्टियों द्वारा बने गठबंधन ने 2019 के लोकसभा चुनाव को भारी मतो से जीता और इसी राजनैतिक दल को एनडीए 4 का नाम दिया गया।

इस पार्टी के विकास के लिए महत्वपूर्ण एजेंडे रहे:

2014 के पश्चात भारतीय राजनीति में एक बड़ा परिवर्तन जाति व पंथ आधारित राजनीति का विकास व सुशासन उन्मुख राजनीति की ओर स्थानांतरण है।

सबका साथ, सबका विकास' के अपने पूर्व इच्छित लक्ष्य के साथ, राजग सरकार ने विकास तथा सुशासन को जनता के लिए सुलभ बनाने के उद्देश्य से विभिन सामाजिक-आर्थिक कल्याणकारी योजनाएँ प्रारम्भ की हैं, यथा-प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, स्वच्छ भारत अभियान, जन-धन योजना, दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना, किसान फसल बीमा योजना, बेटी पढ़ाओ, देश बढ़ाओ', आयुष्मान भारत योजना आदि।

इन सभी योजनाओं का उद्देश्य ग्रामीण परिवारों, विशेषकर महिलाओं, को केंद्र सरकार की योजनाओं का वास्तविक लाभार्थी बनाकर सामान्य जन के द्वार तक प्रशासन पहुंचाना रहा है।

विभिन्न राज्यों के मतदाता जातियों, वर्गों, समुदायों, लिंग तथा क्षेत्रों से ऊपर उठकर विकास और सुशासन के विषयों को केंद्रीय मंच पर लाने में सफल हुए ।6

Or

शासन ऐसा विकासोन्मुख और उद्देश्यों प्रशासन है जो जनता के जीवन स्तर में सुधार लाने के लिए प्रतिबंध हो

शासन को कारगर बनाने के लिए मुख्य कसौटियां इस प्रकार है

1)सत्ता का स्वरूप

2)सत्ता प्रयोग के तरीके

https://www.evidyarthi.in

3)सक्षमता

सत्ता के स्वरूप पर यह निर्भर करता है कि सत्ता किस प्रकार की है वह लोकतांत्रिक है या निरंकुश

सत्ता प्रयोग के तरीके में आर्थिक एवं सामाजिक विकास हेतु सत्ता का प्रयोग किया जाता है क्षमता से अभिप्राय है कि सरकार अपनी नीतियों और कार्यों को पूरा करने में सक्षम हो पाती है

evidyarthi